<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2023

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/4/1 से 3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

ZOLLEGE.in

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आंकड़ों और शब्दों में लिखे।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

ZOLLEGE.in

Series E1GFH/4 प्रश्न-पत्र कोड 29/4/1 से 3

अंक योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

प्रश्न सं.	29/4/1	29/4/2	29/4/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड अ **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर**	
1	1	2	1	(i) (c) समूह में रहने की इच्छा के कारण (ii) (d) भोजन और सुरक्षा के लिए (iii) विद्यार्थी द्वारा दिए गए किसी भी विकल्प पर एक अंक दिया जाए (iv) (a) उद्देश्य प्राप्ति हेतु एकमत होकर चेष्टा करना (v) (c) आधुनिक तकनीक पर बढ़ती निर्भरता (vi) (b) पारस्परिक स्नेह-भावना और सहभागिता की (vii) (d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। (viii) (d) जहाँ एकता नहीं वहाँ पतन निश्चित है। (ix) (c) पारस्परिक फूट के कारण पारिवारिक बँटवारा (x) (c) जल की अनेकानेक बूँदों से	10 x 1 = 10
2	2	1	2	काव्यांश-1 (क) (i) (a) शीशा (ii) (b) लहरों की गतिशीलता (iii) (b) धूप के टुकड़े की छवि देखकर (iv) (c) प्रेयसी का प्रेम और मान पाकर (v) (d) जलधारा (vi) (d) प्रेयसी से विलग होना (vii) (c) आशावादिता को (viii) (b) मानवीकरण **अथवा**	8 x 1 = 8

ZOLLEGE.in

				काव्यांश-2 (ख) (i) (d) कार्यसिद्धि के लिए कठिन परिश्रम करना (ii) (a) महान लक्ष्य बना उसे प्राप्त करने का प्रयास करना (iii) (c) मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये। (iv) (a) आंतरिक (v) (b) शत्रु (vi) (c) बिना झुके वज्र के समान कठोर प्रहार सहन करने वाला (vii) (b) वाणी में ओज होना (viii) (a) वीरतापूर्वक युद्ध भूमि में शत्रु से युद्ध करने वालों के	
3	**3**	**6**	**3**	(i) (a) (अ) – (IV), (ब) – (I), (स) – (II), (द)—(III) (ii) (c) केवल (I) और (II) (iii) (c) इससे अख़बार की छवि बनती है (iv) (d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। (v) (b) क्या, कौन, कब, कहाँ	**5 x 1 = 5**
4	**4**	**3**	**5**	(i) (c) बूँद के माध्यम से जीवन की क्षणभंगुरता को (ii) (b) जीवन का (iii) (d) संसार का (iv) (a) क्षण की (v) (b) ब्रह्म (vi) (c) नष्ट होने के बोध से मुक्ति	**6 X 1 = 6**
5	**5**	**4**	**6**	(i) (d) जिम्मेदारियों से मुक्त (ii) (b) समानुभूति की भावना के अभाव के कारण (iii) (a) संवाद सुनाने की कला में निपुणता के कारण (iv) (c) संवदिया के कार्य को नहीं समझने से (v) (a) पारिश्रमिक लिए बिना औरतों का काम करने के कारण (vi) (c) औरतों का काम नहीं करना	**6 x 1 = 6**
6	**6**	**5**	**4**	(i) (d) झोपड़ी में आग लगने पर नहीं बुझती है। (ii) (c) द्वेष (iii) (d) दुनिया से बचाने के लिए (iv) (d) अपने गाँव से मोह और प्रेम के कारण (v) (a) जेठ, आषाढ़, सावन, भादव	**5 x 1 = 5**
				खंड ब **वर्णनात्मक प्रश्न**	
7	**7**	**7**	**7**	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में लेख अपेक्षित : भूमिका : 1 अंक विषयवस्तु : 3 अंक	**5**

ZOLLEGE.in

				भाषा : 1 अंक	
8	8			(क) • नाटक दृश्य काव्य • लिखित रूप दृश्यता की ओर • मंचन के साथ संपूर्णता • पढ़ने, सुनने के साथ देखने तत्त्व के कारण (ख) • आंतरिक लय (छंद) कविता वाचन में सहायक • मुक्त छंद की कविता के लिए शब्द-संरचना में भी लय का निर्वाह • आंतरिक लय का इन्द्रियों के साथ संबंध • संगीतात्मकता/लयात्मकता से प्रभावशाली कविता की रचना संभव • कविता की भाषा-संरचना, बिंब, छंद,आंतरिक लय के इर्द-गिर्द घूमते हैं। (ग) • हर आदमी कहानी सुनता और सुनाता है • अपने अनुभव बाँटने और सुनने की सहज प्रवृत्ति • प्रत्येक आदमी में कहानी कहने का मूलभाव आदि	2 x 3 = 6
		8		(क) • कविता हमारी संवेदना के निकट • मन को छूने वाली • राग तत्त्व • आनंद और उत्साह देने में सक्षम (ख) • नाटक दृश्य विधा , मंचन में ही उसे संपूर्णता प्राप्त होना • एक निश्चित समय-सीमा तक बैठने की क्षमता • समय के सापेक्ष में ही घटनाओं और चरित्र का विकास (ग) • कहानी के विकास में सहायक • संवाद से द्वन्द्व • चरित्र का विकास • जो घटना या प्रतिक्रिया कहानीकार होती हुई नहीं दिखा सकता उसे संवादों के माध्यम से प्रस्तुति	
			8	(क) • चित्रों का मन पर अधिक प्रभाव • बोधगम्य तथा प्रभावशाली • इन्द्रियों द्वारा ग्राह्य तथा मन से संबंध (ख) • नाटक का दर्शकों से सीधा संबंध • दृश्य विधा होने के कारण नाटक का साहित्य की अन्य विधाओं से भिन्न होना	

ZOLLEGE.in

				• बीच में छोड़ने की सुविधा न होना • दर्शकों में निश्चित समय तक बैठे रहने की क्षमता • भूत-भविष्य में घटी घटनाओं का वर्तमान में ही घटनाओं का प्रदर्शन (ग) • कहानी जीवन का अविभाज्य हिस्सा • कहानी कहना, सुनाना हमारी आदत • प्रत्येक मनुष्य को अपना अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभव को जानने की इच्छा	
9	**9**			(क) • संपादकीय लेखन संपादक मंडल द्वारा तैयार किया जाता है • संपादकीय अख़बार की आवाज़ • किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अख़बार की अपनी राय • अख़बार की विचारधारा, दृष्टिकोण तथा बौद्धिकता से संबद्ध (ख) • समाचार पत्र की संपूर्णता के लिए • समाचार पत्र को अपने पाठकों की विविधतापूर्ण रुचि का ध्यान रखने के लिए • पाठक वर्ग के अनुसार समाचार संकलन हेतु • एक ही स्थान पर विविध प्रकार की सामग्री को उपलब्ध कराना आदि।	**2 x 3 = 6**
		9		(क) • अख़बार का मानक पृष्ठ • इसके ज़रिए अख़बार किसी घटना, समस्या या मुद्दे पर अपनी, विशेषज्ञों, पाठकों और लेखकों की राय प्रकट करता है। • इनके माध्यम से अख़बार की समाज में अपनी एक छवि बनती है। • पाठकों के लिए अपना एक अलग कोना • बुद्धिजीवियों के लिए विशिष्ट पृष्ठ (ख) • घटना स्थल से प्रत्यक्षदर्शियों का कथन • घटना की पुष्टि के लिए आवश्यक • घटना स्थल से लाइव रिपोर्टिंग • बाइट के ज़रिए खबरों की प्रामाणिकता	
			9	(क) • फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक एवं आत्मनिष्ठ लेखन है • फ़ीचर पाठकों को तत्कालीन समाचार से अवगत नहीं	

ZOLLEGE.in

				कराता • यह समाचार की तरह तथ्यों और वस्तुनिष्ठता पर ज़ोर नहीं देता • समाचारों की तरह फ़ीचर में भाषा की सपाटबयानी नहीं होती । (ख) • संपादकीय पृष्ठ पर स्थायी स्तंभ, जिसमें पाठकों के पत्र प्रकाशित होते हैं । • पाठक विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करते हैं । • जन समस्याओं को उठाते हैं । • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरूआत करने का अवसर • एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ	
10	**10**			(क) • प्रसाद के नाटक 'चन्द्रगुप्त' का गीत • भारत की गौरवगाथा का गुणगान • भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन • अनजान को भी सहारा देना और लहरों को किनारा देना (ख) • भरत की मनोदशा का मार्मिक वर्णन • भरत का भ्रातृत्व प्रेम • राम के प्रति अपने प्रेम को शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ पाकर गुरुजनों के सम्मुख भरत का पुलकित होना • प्रेम की अतिशयता के कारण आँसुओं का बहना • भरत के हृदय की निर्मलता (ग) • निराला भारतीय समाज के निम्न मध्यवर्गीय समाज का प्रतिनिधि • निराला की विवशता और पितृत्व भाव एकाकी नहीं सामाजिक • 'सरोज-स्मृति' के माध्यम से समाज के स्वरूप का भी चित्रण • निराला जैसी पीड़ा से अन्य लोग भी प्रभावित • कविता में सामाजिक वेदना उपस्थित	**2 x 2 = 4**
		10		(क) • परंपरा से भिन्न साधारण और सामान्य तरीके से विवाह • माँ की कुल-शिक्षा पिता द्वारा दिया जाना • आत्मीय स्वजन कोई नहीं थे क्योंकि आमंत्रण ही नहीं भेजा गया • विवाह रागों से घर का भरा न होना • घर मौन संगीत से भरा होना	

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in

			10	(ख) • बनारस एक ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आधुनिक शहर • हज़ारों लोगों का रोज आना -जाना • कुछ लोगों की मृत्यु से शहर का रिक्त होना और लोगों का मृत्यु की इच्छा से शहर में आना पूर्णता (ग) • तोड़ो उद्बोधनपरक कविता • सृजन के लिए रूढ़ियाँ तोड़ना आवश्यक • विध्वंस सृजन की प्रथम सीढ़ी • सृजन की भाव-भूमि तैयार करने के लिए हमेशा तत्पर रहना (क) • व्यष्टि का समष्टि में विलय • समाज के विकास में ही व्यक्ति का विकास • समाज के बिना व्यक्ति की ऊर्जा, शक्ति सब निरर्थक • व्यक्ति के समाज में विलय से ही समाज और राष्ट्र मजबूत (ख) • भारत के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक सौन्दर्य का वर्णन • अनजान को भी सहारा देना और लहरों को किनारा देना • करुणा की भावना • दूसरों के दुख से द्रवित होना (ग) • राम वन-गमन के बाद कौशल्या की विरह-वेदना • राम को याद करना • वास्तविकता (वन गमन) को समझकर ठगी-सी रह जाना • चित्रवत् हो जाना	
11	**11**	**12**	**13**	कविता— पद कवि—विद्यापति **अथवा** कविता—वसंत आया कवि—रघुवीर सहाय संदर्भ +प्रसंग – 2 व्याख्या – 3 विशेष+ भाषा – 1	**6**
12	**12**	**13**	**11**	(क) • पिता फारसी के अच्छे ज्ञाता और उनका फारसी और हिन्दी की कविताओं का मिलान करना	**2 x 2 = 4**

ZOLLEGE.in

				• पिता द्वारा 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' घर में सबको सस्वर सुनाना • परिवार में पिताजी द्वारा साहित्यिक चर्चा (ख) • लोकविश्वासों में निहित अंधविश्वासों और मान्यताओं पर चोट • सामान्य मनुष्य जिसने ग्रहों-उपग्रहों को देखा भी नहीं, उसका प्रभाव जीवन पर स्वीकार करता है तो मिट्टी के ढेले तो उसकी अपनी आँखों से देखे-परखे हैं। उन पर विश्वास करता है तो क्या आश्चर्य ? (ग) • पढ़ाई लिखाई में व्यस्तता के कारण कभी शारीरिक श्रम की आवश्यकता महसूस नही होना • टेबल कुर्सी पर बैठकर पढ़ने के कारण शारीरिक श्रम का महत्त्व नहीं समझना • श्रम का अभिप्राय केवल मानसिक श्रम से लेने के कारण	
13	**13**	**11**	**12**	पाठ—कुटज लेखक— हजारी प्रसाद द्विवेदी संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष+ भाषा – 1 अंक	**6**
14	**14**	 **14**		(क) • दृढ़ प्रतिज्ञ होना • पुनर्निर्माण में विश्वास • सकारात्मक सोच • प्रतिशोध न लेने की भावना • साहस और धैर्य • विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानना • परिश्रम आदि **अथवा** (ख) • गाँव से बाहर की दुनिया नहीं समझने-जानने के कारण • प्राकृतिक सौन्दर्य को आत्मसात करने के कारण • आकाश की वास्तविकता से परिचित न होना तथा कल्पनाशील होना। (क) • नदियों के महत्त्व को नहीं समझना • नदियों को दूषित करना • दूषित होने से बचाने का प्रयास न करना • उपभोग को ही जीवन का अनिवार्य कार्य समझना	**3**

ZOLLEGE.in

				अथवा (ख) **कारण :** • शारीरिक सौंदर्य में कमी आने की मिथक अवधारणा • कामकाजी महिलाओं की व्यस्त जीवन-शैली • एकल परिवारों के चलते कामकाज की व्यस्तता **प्रभाव :** • शिशुओं के प्रति भावात्मक लगाव में कमी • शिशु का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित • शिशुओं के भावी जीवन के प्रति उचित मार्गदर्शन एवं सक्रियता का अभाव	
			14	(क) न केवल झोपड़ी का जलना बल्कि झोपड़ी के साथ उसकी तीनों अभिलाषाओं— पितरों का पिंडदान, गाँव में कुआँ बनवाना, मिठुआ की सगाई तय कर देना का भी जल जाना **अथवा** (ख) • बतख को भी माँ के समान अपने बच्चों की रक्षा करते देख • अंडों को अपने डैने के नीचे छुपाना जैसे माँ अपने बच्चे को आँचल में छिपाती है। • चौकन्ना रहना ताकि बच्चे/अंडे सुरक्षित रहें • सतर्क और सचेत रहना	

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in